factured in India. Therefore, to the extent to which certain units have already been allowed to come up, the Government is aware of the fact that foreign exchange to that extent will have to be made available ; otherwise they cannot function.

SHRI BABUBHAI M. GHINAI : There are projects for which foreign exchange was sanctioned and in spite of that, after 1^ years the small-scale Industry Director has written that there was no foreign exchange—they have deposited the money—and they can take away their deposits. I want to know the exact position from the hon. Minister.

: SHRI H. R. GOKHALE : I would req-uest the hon. Member to bring to my notice any specific cases.

SHRI A. G. KULKARNI: What is there in a specific case ? You give licences but you don't give the raw material because you have got no money.

SHRI BABUBHAI M. CHINAI : This is not the question of a specific case. It is a question, of general foreign exchange position of the country where the Small-Scale Industry Director from the Central Government has written not one but thousands of letters to people saying that there was no foreign exchange, available, you have made out your point, you can take your deposit back.

SHRI A. G. KULKARNI : May I submit for your consideration that the reply given by the Minister to Mr. Lokanath Misra was that if 14 units have been approved and if some new units are there they may also apply ? What Mr. Chinai said was that foreign exchange for importing the raw material has to be provided first.

MR. CHAIRMAN : The Minister has understood the question.

SHRI A. G. KULKARNI : What I am submitting is only that the Minister has understood only the paper part of the work but not the actual part of the work. The actual part of the work is giving the raw materials.

MR. CHAIRMAN : Please sit down. He has understood the question and he has replied.

राज्यों की राजधानियों का बड़ी लाइन द्वारा दिल्ली के साथ जोड़ा जाना

*437. श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक किन-किन राज्यों की राजधानियों को बड़ी रेल लाइन द्वारा दिल्ली के साथ नहीं जोड़ा गया है ; और

(ख) क्या सरकार दिल्ली और राज्यों की राजधानियों के बीच बड़ी रेलवे लाइन द्वारा सम्बन्ध स्थापना के काम को प्राथमिकता देने का विचार रखती है ?

LINKING OF STATE CAPITALS WITH DELHI BY RAIL

437. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

/a) the names of those States whose Capitals have not so far been connected with Delhi by broadgauge railway lines ; and

(b) whether Government propose to accord priority to the establishment of broad gauge railway link between Delhi and the State Capitals ?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QJJRESHI) : (a) The capitals of Assam, Gujarat, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Kerala, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Tripura and Rajasthan are at present without B.G. rail connection.

(b) No, Sir. However work is in progress for linking Jammu (the winter capital of Jammu & Kashmir) and Trivandrum (the capital of Kerala) by B. G. A new B. G. line to Gandhinagar (the new capital Gujarat) has been included in the current year's Budget.

‡[रेल मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मोहम्मद शफी कुरेशी) : (क) असम, गुजरात, हिमाचल प्रदेश जम्मू और कश्मीर, केरल, मणिपुर, मेघालय नागालैंड, त्रिपुरा और राजस्थान की राजधानियां इस समय बड़ी लाइन से नहीं जुड़ी हुई हैं।

(ख) जी नहीं लेकिन जम्मू (जो जम्मू और कश्मीर की शरदकालीन राजधानी है)

†[ ] English translation.
‡[ ] Hindi translation.

तिरुवनन्तपुरम (केरल की राजधानी) के बीच बड़ी रेल सम्पर्क स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। गांधीनगर (गुजरात की नयी राजधानी) तक एक नयी बड़ी लाइन के निर्माण कार्य को चालू वर्ष के बजट में शामिल कर लिया गया है।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : बाकी के और राज्य हैं जिनको ब्रोडगेज पर लाने की आपने कोई व्यवस्था नहीं की है। क्या यह सही है कि पिछले दिनों आसाम के एक मंत्री ने, वहां की पी सी सी ने और कैबिनेट ने डिसीजन लेकर सेन्ट्रल गवर्नमेंट को लिखा और केन्द्रीय सरकार की ओर से रिजेक्ट करने के बाद आसाम प्रदेश में इसके सम्बन्ध में बड़ी गम्भीर प्रतिक्रिया हुई है और उसी प्रकार से राजस्थान के अन्दर भी राजस्थान की राजधानी को ब्रोडगेज से जोड़ने की दृष्टि से सारे प्रान्त में यह विचार है कि केन्द्र की ओर से इन प्रान्तों की पूर्ण रूप से उपेक्षा की जा रही है।

شری محمد شفیع قریشی : براڈگیج پر لانے کے لئے سب سے پہلے جو کام ضروری ہوتا ہے وہ میٹرگیج سے براڈگیج میں بدلنے کا کام ہے-یہ کام آہستہ آہستہ فیزڈ پروگرام کے ذریعہ سے ہورہا ہے اور جیوں جیوں میٹرگیج براڈگیج میں تبدیل ہوتی جائیگی تیوں تیوں لنک بڑھتا جائےگا اور ہماری کوشش یہ ہے کہ فیزڈ پروگرام کے ذریعہ سے میٹرگیج کو براڈگیج میں تبدیل کرکے تمام دارالخلافوں کو دلی سے ملایا جائے-

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : ब्राडगेज पर लाने के लिए सबसे पहले जो काम जरूरी होता है वह मीटर गेज से ब्राडगेज में बदलने का काम है। यह काम आहिस्ता-आहिस्ता, फेज्ड प्रोग्राम के जरिये से हो रहा है, और ज्यों-ज्यों मीटर गेज ब्राड गेज में तब्दील होती जायेगी, त्यों-त्यों लिंक बढ़ता जायेगा और हमारी कोशिश यह है कि फेज्ड प्रोग्राम के जरिये से मीटर गेज को ब्राडगेज में तब्दील करके तमाम दारुलखिलाफाओं को दिल्ली से मिलाया जाये।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आसाम में जो रीजेन्टमेंट हुआ और उनकी गवर्नमेंट ने लिखा उसके बारे में आपने नहीं बताया।

شری محمد شفیع قریشی : یہ مطالبہ تو ہر اسٹیٹ سے آرہا ہے-

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : यह मुतालबा हर स्टेट से आ रहा है।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आपने कहा कि मीटरगेज से ब्रोडगेज में बदलने का काम हम सिलसिलेवार ले रहे हैं। अभी जो योजना में काम आप ले रहे हैं क्या यह सही है कि उसमें अधिकांश मीटरगेज जिसको बदल रहे हैं वह केवल मैसूर प्रान्त में या उसके नजदीक के प्रान्तों में बदल रहे हैं। उत्तर भारत की इस नाते से पूर्ण रूप से उपेक्षा हो रही है। ऐसे बताएं कि उत्तर भारत में मीटरगेज से ब्रोडगेज में कितना बदला और दक्षिण भारत में विशेष तौर से मैसूर जहां से रेल मंत्री आ रहे हैं उस प्रान्त में कितना मीटरगेज से ब्रोडगेज में बदल रहे हैं।

شری محمد شفیع قریشی : یہ بات بالکل غلط ہے کہ کسی خاص صوبہ کے ساتھہ اچھا برتاؤ کیا جاتا ہے-ریلوے کے نظر میں سارا ہندوستان ایک ہے-تمام صوبوں کو براڈگیج پر لانے کا کام کیا جا رہا ہے-چاہے میسور ہو آندھر پردیش ہو یا کوئی اور-ہم صوبائی تعصب سے بالاتر ہیں-

† [**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : यह बात बिल्कुल गलत है कि किसी खास सूबे के साथ अच्छा बर्ताव किया जाता है। रेलवे की नजर में सारा हिन्दुस्तान एक है। तमाम सूबों को ब्रोडगेज पर लाने का काम किया जा रहा है। चाहे मैसूर हो, आंध्र प्रदेश हो या कोई और। हम सूबाई का तअस्सुब से बालातर हैं।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यह बात गलत है कि मैसूर में ही हो।

†[ ] Hindi translation.

شری محمد شفیع قریشی : میسور بھی ہندوستان کا ایک حصہ ہے۔

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : मैसूर भी हिन्दुस्तान का एक हिस्सा है ।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : लेकिन आप उत्तर भारत की उपेक्षा कर रहे हैं ।

SHRI SALAM TOMBI : We are talking of linking State Capitals with Delhi by rail but there are some Capitals in the East which are not in the railway map of India. May I know what steps he is going to take so that some part of the State may be touched by Railways ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : Mostly we have metre gauge in the East. It 19 our intention to link through Broad Gauge. This is done on a phased programme and as and when funds are available conversion programmes are taken up.

SHRI BIPINPAL DAS : Apart from the fact that the Railway Ministry has been persistently doing great injustice to Assam by not extending the Broad Gauge from Bongaigaon to Gauhati there was a decision some time back to have a through train from Delhi at least up to Bongaigaon by B. G. via Farrakka, Bongaigaon being the nearest B. G. Station from our Capital. Is it not a fact that at the instigation of some outsiders this idea has been dropped or postponed and, if so, why ? Let him state whether he intends extending the same and have a direct train from Delhi at least up to Bongaigaon via Farrakka ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : The proposal has not been given up but it is under active consideration of the Railway Board.

SHRIK. CHANDRASEKHARAN: May I know whether the work in respect of broadgauging of the Ernakulam-Trivandrum line lias been taken up and when will it be completed ? May I also know when the work in respect of the broadgauging of the Madras-Trivandrum line will be taken up ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: With regard to the conversion of Ernakulam-Trivandrum line the work was sanctioned on 20th December 1971 and it is expected to be completed within a period of three years at a cost of Rs. 13.60 crores. With regard to the other link which the hon. Member has mentioned I do not have the information at present.

श्री पीताम्बर दास : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि यह तो कोई नहीं कहता कि मैसूर भारतवर्ष का हिस्सा नहीं है, लेकिन यहां से अहमदाबाद, जो गुजरात का कैपिटल है, और जयपुर, जो राजस्थान का कैपिटल है, की छोटी लाइन को ब्राडगेज न करने का फैसला जल्दी क्या इसलिए नहीं किया जा रहा है कि वे हिन्दुस्तान के हिस्से नहीं हैं ? मैसूर तो हिन्दुस्तान का हिस्सा है, लेकिन यह हिन्दुस्तान के हिस्से नहीं हैं क्या इसीलिये इनको इग्नोर किया जा रहा है ?

شری محمد شفیع قریشی : مانڈے سدسیے زبردستی بات میرے منھہ میں ٹھونس رہے ھیں۔میں نے تو کہا کہ ھر پرانت ھندوستان کا حصہ ھے۔جہانتک راجستھان کے علاقہ کا تعلق ھے جےپور اور احمدآباد کا، اس سلسلہ میں یہ عرض کرنا چاھتا ھوں کہ دلی احمدآباد میٹرگیج سیکشن کا کنورشن براڈگیج میں کرنے کا فیصلہ کیا گیا ھے اور بہت جلد اس پر کام شروع ھوجائیگا۔

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : माननीय सदस्य जबरदस्ती बात मेरे मुंह में ठूस रहे हैं । मैंने तो यह कहा कि हर प्रान्त हिन्दुस्तान का हिस्सा है । जहां तक राजस्थान के इलाका का ताल्लुक है, जयपुर और अहमदाबाद का, इस सिलसिला में मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि दिल्ली और अहमदाबाद मीटरगेज सेक्सन का कन्वर्जन ब्राड गेज में करने का फैसला किया गया है और बहुत ही जल्द इस पर काम शुरू हो जायेगा ।]

DR. K. NAGAPPA ALVA : May I know the target date by which Bangalore will be connected with Delhi because as it is it is only via Madras ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : I cannot give the exact date but the work in certain sections is in progress. As I have already said the Ernakulam-Trivandrum link is in progress but as to when the broad gauge conversion would be completed I cannot give a firm date.

†[ ] Hindi translation.

श्रीमती सीता देवी : मैं माननीय मिनिस्टर साहब से जानना चाहती हूं कि सिर्फ मीटर गेज को ब्राडगेज में करने की कोई स्कीम है या रेल मंत्रालय की यह भी स्कीम है कि वह प्रान्त जो रेल के मामले में बिल्कुल नेग्लेक्टेड हैं, जैसे पंजाब, जिसकी बहुत दिनों से यह मांग है कि चंडीगढ़ के साथ वाया चकलाला लुधियाना को जोड़ा जाय और जब सरदार स्वर्ण सिंह रेलवे मिनिस्टर थे, तबसे यह अन्डर कंसीडरेशन है, तो मैं जानना चाहता हूं कि उस ओर भी सरकार कोई ध्यान अभी देगी या नहीं ? यह पंजाब हिन्दुस्तान के नक्शे में है या नहीं ?

MR. CHAIRMAN: *I think we have had a sufficient number of supplementaries.*

شری محمد شفیع قریشی : جہاں تک پنجاب کا تعلق ہے پنجاب میں ریلوں کا بہت سا جال بچھا ہوا ہے-جہاں جہاں پر اور ضرورت پڑے گی وہاں اور لائین دے دینگے-

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : जहां तक पंजाब का ताल्लुक है, पंजाब में रेलों का बहुत सा जाल बिछा हुआ है। जहां-जहां पर और जरूरत पड़ेगी, वहां और लाइन दे देंगे।]

PROTEST BY SMALL WEAVERS AGAINST HIGH PRICES OF YARN AND ACCUMULATION OF STOCK OF CLOTH

♦438. SHRI A. G. KULKARNI : J
SHRI OM PRAKASH TYAGI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether the weavers in U. P. and other parts of the country had demonstrated about high prices of yarn and accumulation of stocks of cloth ;

(b) whether Government have purchased this cloth and if so to what extent ; and

(c) whether Government are aware of an alleged racket by the Indian Mill owners to rig up prices of either cotton or synthetic yarn to exploit small weavers and if so the steps taken to prevent tins exploitation ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. G. GEORGE) : (a) Yes, Sir. Demonstrations are reported to have been held in U.P.

(b) No, Sir.

(c) No, Sir.

SHRI A. G. KULKARNI : Sir, may I draw the attention of the hon. Minister to an announcement in the press that when this morcha was taken up in Lucknowsome Members of Parliament called on the Minister as well as the Prime Minister and it was announced that about 11,000 bales will be released immediately and cloth worth Rs. 30 crores will be purchased by the Government for export purposes ? Now, as the Minister says, no, no to everything it means .. .

DR. Z. A. AHMAD : He does not know anything about it and that is why he says no.

SHRI A. G. KULKARNI : It was made by them.

DR. Z. A. AHMAD : Still he may not . . .

MR. CHAIRMAN : No.

SHRI A. G. KULKARNI : I just want to know whether the Minister is aware that in the recent one month prices of cotton yarn have risen by about 40% forcing the looms to be closed in the centres in Mysore, Maharashtra, Gujarat, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, U. P. and Kerala also and whether his Ministry is only meant to sit silently on these matters, and when there is so much unemployment, the important question is whether, as assured I by the Minister, he will declare cotton yarn and staple yarn as essential commodities under the Essential Commodities Act and control their prices and also whether, whenever cloth stocks get accumulated with the hand-looms, whether they will be immediately purchased by the State Trading Corporation for export purposes.

SHRI A. C. GEORGE: Sir, it is true that there are certain valuntary agreements arrived at. In February, Uttar Pradesh was allotted 3,500 bales of staple fibre yarn, out of which 3,461 were received, and in March 3,500 were allotted and in April 5,000 were allotted. Sir, I may point out that the figure which the hon. Member was referring to, the figure of

†[ ] Hindi translation.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri A. G. Kulkarni.